Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/2021-2023 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३० अंक-२४ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो १६ दिसम्बर - ३१ दिसम्बर २०२२ पृष्ठ १२ मूल्यः२० रु.मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

प्रधानमंत्री ने नागपुर रेलवे स्टेशन से वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प.सू.का/नईदिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर १ से नागपुर और बिलासपुर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही दिनांकः ११.१२.२०२२ को प्रधानमंत्री ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के डिब्बों का निरीक्षण किया और ऑनबोर्ड सुविधाओं का जायजा लिया। नरेन्द्र मोदी ने वंदे भारत एक्सप्रेस के लोकोमोटिव इंजन के नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण किया और नागपुर एवं अजनी रेलवे स्टेशनों की विकास योजनाओं का भी जायजा लिया। इससे नागपुर से बिलासपुर की यात्र में लगने वाला समय ७-८ घंटे से घटकर ५ घंटे ३० मिनट हो जाएगा। ट्रेन की शुरूआत से इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और यात्रा का एक आरामदायक और तेज माध्यम उपलब्ध होगा। नागपुर से बिलासपुर की यात्रा में लगने वाला समय घटकर ५ घंटे ३० मिनट हो जाएगा। यह देश में शुरू की जाने वाली छठी वंदे भारत ट्रेन होगी और पहले की तुलना में उन्नत है, जो बहुत हल्की है और कम अवधि में उच्च गति तक पहुंचने में सक्षम है। वंदे भारत २.० अधिक उन्नत और बेहतर सुविधाओं से लैस है। यह केवल ५२ सेकंड में ० से १०० किलोमीटर प्रति घंटे की गति और १८० किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति तक पहुंच सकती है। पिछली वंदे भारत एक्सप्रेस का वजन ४३० टन होता था, जबकि इस उन्नत वंदे भारत एक्सप्रेस का वजन ३६२ टन होगा। इसमें वाई-फाई कंटेंट ऑन डिमांड सुविधा भी होगी। यात्रियों को सूचना प्रदान करने एवं उनके मनोरंजन के लिए प्रत्येक कोच में ३२" स्क्रीन लगी हैं, जबकि पिछली वंदे भारत एक्सप्रेस में २४" की स्क्रीन लगी थी। वंदे भारत एक्सप्रेस भी पर्यावरण के अनुकूल होगी, क्योंकि एसी १५ प्रतिशत अधिक ऊर्जा की बचत करेगा। ट्रैक्शन मोटर की धूल रहित स्वच्छ एयर कूलिंग के साथ, यात्रा अधिक आरामदायक हो जाएगी। पहले केवल एक्जीक्यूटिव श्रेणी के यात्रियों को दी जाने वाली साइड रिक्लाइनर सीट की सुविधा अब सभी श्रेणियों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी।

रेल मंत्री ने काशी तमिल संगमम के आयोजन को यादगार बनाने के लिए एक नई ट्रेन सेवा काशी तमिल संगमम एक्सप्रेस की घोषणा की

प.सु.का/नईदिल्ली केंद्रीय रेल,संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने काशी तमिल संगमम के आयोजन को यादगार बनाने के लिए काशी और तमिलनाडु के बीच एक नई ट्रेन सेवा काशी तमिल संगमम एक्सप्रेस की घोषणा की है।

उन्होंने तमिलनाडु के उन प्रतिनिधियों के साथ बतचीत की जिन्हें काशी तमिल संगमम देखने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने वाराणसी जंक्शन रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास योजना का भी निरीक्षण किया।

अश्विनी वैष्णव ने आठवें बैच के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। प्रतिनिधियों ने दौरे में अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे उनकी अच्छी तरह से देखभाल की गई। उन्होंने रेल मंत्रालय और आईआरसीटीसी टीम के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मदद की। उन्होंने कहा कि जन-जन के बीच इस प्रकार का आदान-प्रदान एक-दूसरे की परंपराओं, ज्ञान और संस्कृति को एक साथ लाएगा, साझा विरासत की समझ का निर्माण करेगा और इन दोनों क्षेत्रों के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करेगा।

अश्विनी वैष्णव ने काशी तमिल संगमम के आयोजन को यादगार बनाने के लिए काशी और तमिलनाडु के बीच एक नई ट्रेन सेवा काशी तमिल संगमम एक्सप्रेस की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जल्द ही सेवा शुरू हो जाएगी।

केंद्रीय रेल मंत्री ने वाराणसी जंक्शन रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास योजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने भविष्य में बढ़ते यातायात को ध्यान में रखते हुए स्टेशन के पुनर्विकास की योजना बनाने का सुझाव दिया।

> कोई भी चीज़ इतनी अच्छी नहीं होती जितनी प्रतीत होती है।
>
> जार्ज इलियट

नए यूपी के लिए ट्रिपल इंजन की सरकार जरूरी - सीएम योगी

रे.स.ब्यूरो./सुत्रः वाराणसी के संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा की भारत के नए यूपी बनाने के लिए डबल इंजन के साथ ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने में सहयोग करने को कहा। स्थानीय नगर निकाय चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने को कहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार दिनांकः ११.१२.२०२२ को वाराणसी पहुंचे थे। इसके साथ ही उन्होने स्थानीय नगर निकाय चुनाव का बिगुल फूंका। अपने संबोधन में उन्होंने व्यापारी, उद्यमियों और प्रबुद्धजनों से कहा कि काशी में निवेश की संभावना तलाशें। उन्होने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार के साथ ही ट्रिपल इंजन की सरकार की जरूरत है। ताकि केंद्र और प्रदेश की सरकार के विकास कार्यक्रम को स्थानीय स्तर पर भी उसी तरह से लागू किया जा सके। इस दौरान मुख्यमंत्री ने यूपी में हुए विकास कार्यो और काशी में हुए विकास कार्यो की उपलब्धियां बताई।

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य-सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके सउस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।" महात्मा गांधी

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने किया सूबेदारगंज स्टेशन का निरीक्षण

रे.स.ब्यूरो./सूत्र. महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार ने दिनांक ०६ दिसंबर को सूबेदारगंज स्टेशन निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान सतीश कुमार ने सूबेदारगंज स्टेशन के विकास के कार्यो, एवं स्टेशन की प्रस्तावित डिजाईन व यार्ड आदि का गहनता से निरीक्षण किया। निरीक्षण में यात्री सुविधाओं एवं परिचालन व्यवस्थाओं को गहनता से देखा गया। इस अवसर पर स्टेशन पर प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय आदि का निरीक्षण करते हुए साफ- सफाई की व्यवस्था का अवलोकन किया। महाप्रबंधक ने अपने निरीक्षण के दौरान प्लेटफ र्म १ से प्रारंभ कर प्लेटफॉर्म सं ४ की स्थिति, अनुरक्षण व्यवस्था तथा यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्लीपर श्रेणी के प्रतीक्षालय की व्यवस्थाओं को देख कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए । कुमार ने स्टेशन परिसर में बने पार्क को और सुंदर बनाने तथा सुधार करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। सफाई व्यवस्था को उच्चतम स्तर का बनाए रखने की बात कही और गुणवत्ता मानदंडों के सही प्रकार से पालन की बात कही। उन्होंने वहां उपस्थित अधिकारियों से अनुरक्षण प्रक्रिया की जानकारी ली और भविष्य में भी यात्री सुविधा और संरक्षा के उत्कृष्ट स्तर को बनाए रखने के निर्देश दिए ।

प्रयागराज मण्डल में भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर का मनाया गया ६७वां महापरिनिर्वाण दिवस

रे.स.ब्यूरो./सूत्रः मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के "संकल्प " सभा कक्ष में भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर जी का ६७वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया।

दिनांक ०६.१२.२२ को इस अवसर पर सर्वप्रथम मण्डल रेल प्रबंधक प्रयागराज मोहित चंद्रा द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर की फोटो पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प चढ़ा कर श्रद्धांजली प्रदान की गयी, जिसके उपरांत मंडल के उपस्थित सभी शाखा अधिकारीगण एवं कर्मचारीगणों द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की फोटो पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजली अर्पित की गई। इस अवसर पर एससी/एसटी एसोसियेशन के जोनल सचिव लालसा राम तथा एसोसियेशन के अन्य पदाधिकारियों द्वारा पुष्प अर्पण कर डॉ भीमराव अम्बेडकर जी को श्रद्धांजली प्रदान की गई तथा वक्ताओं द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों / आदर्शो पर चलने की सीख प्रदान की गई। मोहित चंद्रा मण्डल रेल प्रबंधक द्वारा विचार व्यक्त करते हुए उन्होने कहा डॉ भीमराव अम्बेडकर जी का पूरा जीवन संघर्षमय रहा, शुरू से लेकर अंत तक बाबा साहब का जीवन कठिनाइयों से भरा रहा, इन सभी परिस्थियों के से लड़ते हुए उन्होंने फोरेन में जा कर शिक्षा ली और विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान बनाया।

उनकी दूर दृष्टि की आज भी लोग मिसाल देते हैं कि इतने वर्षो में संविधान में केवल १०५ संशोधन हुए हैं। आगे मण्डल रेल प्रबंधक ने कहा कि बाबा साहब ने अपना सपूर्ण जीवन कमजोर वर्गो के लोंगो के लिए समर्पित किया।

बिना भेद भाव किये बाबा साहब ने देश को समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर द्वारा बताये गये मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजली होगी। इसी क्रम में एससी/एसटी एसोसियेशन के जोनल सचिव लालसा राम, दिनेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किये।

विधि अधिकारी लक्ष्मी प्रसाद जी द्वारा भी बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहब ने अपने जन्म से मृत्यु तक समाज की कुरीतियों को दूर करने के लिए काम किया, और मूल कर्तव्य में शिक्षा का अधिकार जोड़कर शिक्षा की दिशा में एक बहुत बड़ा कार्य किया।

झाँसी मंडल द्वारा ब्रांच लाइन रेलखंड की सेक्शनल स्पीड में बढ़ोतरी

रे.स.ब्यूरो./सूत्रः झांसीः झाँसी मंडल अवसंरचनात्मक विकास कार्यो में निरंतरता बनाये रखे हुए है। जिसके फलस्वरूप मंडल द्वारा अपने सभी ब्रांच लाइन रेलखंड की सक्षमता को ध्यान में रखते हुए पर रेल संचालन गति बढ़ाते हुए ११० किलोमीटर प्रति घंटा कर दी है। जिसमें मंडल के ललितपुर-खजुराहो १६४.२५ किलोमीटर रेलखंड की वर्तमान गति १०० किमी प्रति घंटा को बढाकर ११० किमी प्रति घंटा कर दिया गया है। इसी क्रम में बिरलानगर-सोनी ५५.४६ किमी रेलखंड की गति को ६० किमी प्रतिघंटा से बढाकर ११० किमी प्रति घंटा, सोनी-भिंड २३.५६ किमी रेलखंड की गति बढाकर ७५ किमी प्रति घंटा से ११० कर दिया गया है तथा भिंड -उदिमोर २३.७७ किमी रेलखंड पर गति को १०० किमी प्रति घंटा से ११० किलोमीटर प्रति घंटा कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि मंडल की प्रमुख और सबसे व्यस्ततम रेलखंड धौलपुर-बीना रेलखंड पर धौलपुर-ललितपुर खंड लगभग २५३ किलोमीटर रेलखंड पर सेक्शनल गति को १३० किलोमीटर प्रति घंटा तथा इसी खंड के ललितपुर-बीना ६२ किलोमीटर किलोमीटर रेलखंड पर सेक्शनल १२० किलोमीटर प्रति घंटा है, जिसको अब और बढाए जाने हेतु मंडल प्रयासरत है।

मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष के दिशानिर्देशन में लगातार किये जा रहे विकास कार्य के चलते सभी रेलखंड की गति में बढ़ोतरी की जा रही है, जिससे समय-पालनता तथा रेलों के आवागमन में सुगमता आएगी। झाँसी मंडल सहित सम्पूर्ण उत्तर मध्य रेलवे १०० प्रतिशत विद्युतिकृत हो गया है।

"वन स्टेशन वन प्रोडक्ट" योजना के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के स्टेशनों पर स्थानीय उत्पादों की बिक्री का स्टॉल

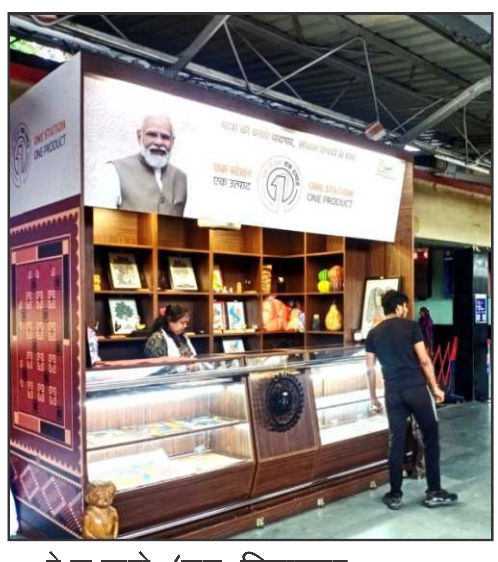

रे.स.ब्यूरो./सूत्रः बिलासपुरः रेलवे की व्यापक पहुंच और महत्व को ध्यान में रखते हुये स्थानीय उत्पादों को देशभर में लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से वर्ष २०२२-२३ के केंद्रीय बजट में "वन स्टेशन वन प्रोडक्ट" योजना की घोषणा की गई थी । इस योजना के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर स्थानीय कपड़ों, हस्तशिल्प, मिटटी से निर्मित वस्तुएं, हथकरघा, बांस के उत्पाद, वनोपज आदि को बढ़ावा देने की योजना बनायीं गई है । इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ३१ स्टेशनों में लगभग ४० स्टाल लागए गए है, जिसमें स्थानीय स्तर पर निर्मित एवं प्रसिद्ध वस्तुओं की बिक्री की जा रही है । इन स्टेशनों में बिलासपुर, अनुपपुर, चांपा, कोरबा, पेंड्रारोड, रायगढ़, शहडोल, सक्ती, नैला, अकलतरा, उसलापुर, बुढ़ार, अम्बिकापुर, बिश्रामपुर, रायपुर, दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, मरौदा, दल्लीराजहरा, भाटापारा, इतवारी, गोंदिया, नैनपुर, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, तुमसर रोड, भंडारा रोड, बालाघाट, कांप्टी, घंसौर एवं छिंदवाड़ा स्टेशन शामिल है । इस योजना के अंतर्गत बिलासपुर रेलवे स्टेशन में छतीसगढ़ के प्रसिद्ध ढोकरा कला द्वारा निर्मित बेल मेटल कलाकृतियों, रायपुर स्टेशन में बस्तर आर्ट एवं गन मेटल का सामान, इतवारी, गोंदिया, राजनांदगांव में बांस के उत्पाद की बिक्री की जा रही है,इन स्टालों में उपलब्ध कलाकृतियों के माध्यम से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए इन विलक्षण कलाकृतियों से यात्री परिचित हो रहे हैं साथ ही आवश्यकतानुसार इसकी खरीददारी भी कर रहे हैं तथा इनकी कारीगरी की तारीफ भी कर रहे हैं ।

वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना की इस अभिनव पहल से जहां मेक इन इंडिया का सपना साकार हो रहा है वहीं स्थानीय लघुकार, कारीगरों, हस्तशिल्पों की आय में वृद्धि भी हो रही है तथा स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने में भी मदद मिल रही है तथा यात्रीगण इन स्थानीय स्वदेशी सामान की खरीदी कर इस कार्य में लगे कामगारों को रोजगार उपलब्ध कराने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान कर रहे हैं ।

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में लॉन्च किया गया आईआरपीएसएम वर्क्स मॉनिटरिंग मॉड्यूल

रे.स.ब्यूरो./सूत्रः उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार की अध्यक्षता में ०६.१२.२०२२ को साप्ताहिक संरक्षा और समयपालन समीक्षा बैठक के दौरान ''आईआरपीएसएम वर्क्स मॉनिटरिंग मॉड्यूल'' लॉन्च किया गया। बैठक में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष और मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज, मंडल रेल प्रबंधक, झांसी और अपर मंडल रेल प्रबंधक, आगरा सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए IRPSM (इंडियन रेलवे प्रोजेक्ट्स सैंक्शन्स एंड मैनेजमेंट) एक वेब-आधारित एप्लिकेशन है। इसके माध्यम से क्षेत्रीय रेलवे और प्रोडक्शन यूनिटें अपने नए कार्यों तथा चल रहे कार्यों में मॉडिफिकेशन के प्रस्ताव को ऑनलाइन रूप से बनाने एवं रेलवे बोर्ड को वर्क्स प्रोग्राम, पिंक बुक एवं अन्य स्वीकृति पुस्तको में समाहित करने के लिए प्रषित करने की भेजते हैं। यह ''आईआरपीएसएम वर्क्स मॉनिटरिंग मॉड्यूल'' उन कार्यो की निगरानी के लिए है जो बंद होने के लिए लंबित हैं। निष्पादन एजेंसी इस मॉड्यूल का प्रयोग कर सकती हैं और इसपर तदनुसार टिप्पणियों को जब भी आवश्यक हो, अद्यतन किया जा सकता है। इस मॉड्यूल का उपयोग करके १००% और ६०-६६% भौतिक प्रगति वाले कार्यो की निगरानी की जाएगी। बैठक के दौरान बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण कार्यों के साथ-साथ विभिन्न सुरक्षा और समयपालन मुद्दों पर चर्चा की गई। ज्ञात हो कि यह मॉड्यूल उत्तर मध्य रेलवे के आई टी सेल द्वारा आंतरिक रूप से विकसित किया गया है।बैठक के दौरान आधारभूत संरचना के सुदृढीकरण के कार्यो के साथ विभिन्न संरक्षा और समयपालन मुद्दों पर चर्चा की गई।

> ''मनुष्य को ठंडा रहना चाहिए, क्रोध नहीं करना चाहिए। लोहा भले ही गर्म हो जाए, हथौड़े को तो ठंडा ही रहना चाहिए अन्यथा वह स्वयं अपना हत्था जला डालेगा। कोई भी राज्य प्रजा पर कितना ही गर्म क्यों न हो जाये, अंत में तो उसे ठंडा होना ही पड़ेगा।''
>
> -सरदार वल्लभभाई पटेल

महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए रेलकर्मी को मासिक संरक्षा सम्मान से किया सम्मानित

रे.स.ब्यूरो./सूत्र. बिलासपुरः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल में कार्यरत रेल कर्मी अमित कुमार जोशी, ट्रेन मैनेजर गुड्स / भिलाई मार्शलिंग यार्ड चरोदा उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा सबंधी कार्य निष्पादन के लिए अक्टूबर माह का महाप्रबंधक मासिक संरक्षा सम्मान से सम्मानित किया गया। दिनांक ११ अक्टूबर, २०२२ को रायपुर रेल मंडल में कार्यरत अमित कुमार जोशी, ट्रेन मैनेजर गुड्स/भिलाई मार्शलिंग यार्ड चरोदा के द्वारा अप N/PCMC भिलाई मार्शलिंग यार्ड चरोदा से डोगरगढ़ की ओर जा रही थी, दुर्ग-रसमरा के बीच किलोमीटर 871/29 पर स्थित शिवनाथ ब्रिज पर रात्री के समय में ट्रेन मैनेजर को एक झटका महसूस होने पर तुरंत गाड़ी को रोका गया ।

तकनीकी खामी पाए जाने पर उन्होने इसकी सूचना तुरंत संबन्धित अधिकारी को दी गयी एवं सतर्कता का परिचय देते हुए संभावित दुर्घटना को टालने में प्रशंसनीय कार्य किया गया है।

संरक्षा से संबंधित अच्छी जानकारी, सजगता, सतर्कता एवं बेहतर संरक्षा भरे कार्य की सराहना करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर महाप्रबंधक, आलोक कुमार ने उपरोक्त कर्मचारियों को प्रशस्ति- पत्र प्रदान किया ।

उत्तर मध्य रेलवे में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार कार्यों की लगाई गई प्रदर्शनी

रे.स.ब्यूरो./सूत्रः उत्तर मध्य रेलवे में राजभाषा के प्रयोग–प्रसार में बहुआयामी प्रगति के उद्देश्य से महाप्रबंधक सतीश कुमार के निर्देशानुसार उत्तर मध्य रेलवे महाप्रबंधक कार्यालय में परिचालन विभाग में किए जा रहे राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में परिचालन विभाग द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों की आकर्षक प्रस्तुति की गई।

मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक शशि कांत सिंह ने मंगल दीप प्रज्ज्वलित कर इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण से संबंधित मदों के अनुसार परिचालन विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी शशिकांत सिंह ने कहा कि सरकार की राजभाषा नीति और संसदीय राजभाषा समिति के निर्देशों के अनुपालन हेतु हमें राजभाषा कार्यान्वयन की सभी मदों में लक्ष्य के अनुसार राजभाषा हिंदी के प्रयोग के लिए पूरी तरह से सचेष्ट रहना चाहिए।

उत्तर मध्य रेलवे में राजभाषा प्रगति के लिए उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं और इस दिशा में आगे बढ़ते हुए हिंदी के शत-प्रतिशत प्रयोग की उपलब्धि को प्राप्त करना है। सिंह ने परिचालन विभाग द्वारा किए जा रहे राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट प्रयोग-प्रसार की सराहना की तथा परिचालन विभाग को रु. ११०००/- के समूह पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की।

इस अवसर पर प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक बिप्लव कुमार, मुख्य मालभाडा यातायात प्रबंधक डी. के. वर्मा, मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक एस. पी. वर्मा, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/वित्त और बजट शैलेन्द्र कुमार सिंह, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक प्रबंधक/गुड्स श्रीकृष्ण शुक्ला तथा उप मुख्य परिचालन प्रबंधक प्रबंधक/ कोचिंग गिरीश कंचन सहित परिचालन विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

झाँसी मंडल में बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर के ६७वें महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धाजंलि सभा आयोजित

रे.स.ब्यूरो./सूत्र. झाँसी मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक सभाकक्ष में भारत रत्न बाबा साहब डॉ० भीम राव अम्बेडकर जी के ६७वें महापरिनिर्वाण दिवस पर समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मंडल रेल प्रबन्धक आशुतोष द्वारा बाबा साहब के फोटो पर माल्यार्पण किया गया तथा उपस्थित अधिकारियों, यूनियन के पदाधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दिनांकः ०६.१२.२२ को मंडल रेल प्रबन्धक ने अपने उद्बोधन में कहा कि बाबा साहब के आदर्शो को अपनाते हुये जीवन में उनके सिद्धांतो को ढालना होगा, यही उनके प्रति हमारा सच्चा सम्मान होगा।

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य कर्मचारियों तथा यूनियन के पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम का संचालन व आभार वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी बृजेश कुमार चतुर्वेदी द्वारा किया गया। इस दौरान अपर मंडल रेल प्रबन्धकध्इन्फ्रा विवके मिश्रा अपर मंडल रेल प्रबन्धक/ परिचालन अतुल कनौजिया, मंडल कार्मिक अधिकारी रवीन्द्र कुमार, जी०पी० मिश्रा व मंडल के अन्य रेलवे अधिकारीगण व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

चुनाव के साथ चुनौतियां

दिल्ली में कहने को नगर निगम का चुनाव था, मगर वह भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच इस कदर मूंछ की लड़ाई बन चुका था कि पूरे देश की उसमें दिलचस्पी बनी हुई थी। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की एक लोकसभा और विभिन्न राज्यों की विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में भी भाजपा को ज्यादातर जगहों पर पटखनी मिली। इसलिए ये चुनाव एक तरह से भाजपा के लिए संकेत हैं कि उसका पहले वाला जादू बरकरार नहीं रह गया है।

आखिर आम आदमी पार्टी ने उसमें बहुमत हासिल कर लिया। मगर भाजपा का प्रदर्शन भी निराशाजनक नहीं कहा जा सकता। सौ से ऊपर सीटें आई। जिन सीटों पर उसे हार मिली उन पर मतों का अंतर बहुत कम देखा गया।

मगर इन तीनों चुनावों में जिस तरह भाजपा को मेहनत करनी पड़ी, उससे स्पष्ट हो गया कि ये चुनाव उसके लिए आसान नहीं थे। जबकि हर जगह मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस बहुत ढीले-ढाले ढंग से मैदान में उतरी थी। एक नगर निगम और दो विधानसभा चुनावों के नतीजों पर सबकी नजर लगी हुई थी।

तीनों जगह सत्ताधारी भाजपा की साख दांव पर थी। सबसे अधिक दिलचस्पी गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर बनी हुई थी।

माना जा रहा था कि वहां सत्ताविरोधी लहर है और भाजपा को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सदा से वहां कांग्रेस और भाजपा के बीच टक्कर होती आई है, मगर इस बार एक तीसरी पार्टी पूरे जोशो-खरोश के साथ मैदान में उतरी थी और उसका दावा था कि वह वहां सरकार बनाएगी। जहां आम आदमी पार्टी वहां सबसे पहले चुनाव प्रचार में जुट गई थी और लोगों का शुरुआती रुझान उसकी तरफ दिख भी रहा था।

अखिल भारतीय रेलवे बैडमिंटन टीम चौंपियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने जीता कांस्य पदक

रे.स.ब्यूरो./सूत्रः ६६वीं अखिल भारतीय रेलवे महिला एवं पुरूष बैडमिन्टन चौम्पियनशिप २०२२-२३ का आयोजन करनैल सिंह स्टेडियम, नई दिल्ली में हुआ था। इस चौम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे की महिला बैडमिन्टन टीम तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। इस क्रम में तृतीय स्थान के मैच उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने पश्चिम मध्य रेलवे की टीम को २-१ से पराजित कर ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। इसके पूर्व क्वार्टर फाइनल मैच उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने पूर्व मध्य रेलवे की टीम को २-० से पराजित किया था जबकि सेमी फाइनल मैच उत्तर मध्य रेलवे की टीम कांटे के मुकाबले में उत्तर रेलवे से पराजित हो गई थी। उत्तर मध्य रेलवे की टीम में सौम्या, कीर्ति, तपस्विनी, शिवानी शामिल थीं। इसमें से कीर्ति और शिवानी आगरा मंडल में एवं सौम्या तथा तपस्विनी उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में कार्यरत हैं। टीम ने महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार से उनके कार्यालय में जाकर उनको उपलब्धियों से अवगत कराया। महाप्रबंधक ने इस बैडमिंटन टीम के खिलाड़ियों से प्रत्येक के विषय में जानकरी ली और उनको हासिल की गई शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए सराहना की। महाप्रबंधक ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी वे उत्तर मध्य रेलवे और राष्ट्र के लिए इसी तरह की उपलब्धियां हासिल करेंगे। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के महासचिव हिमांशु शेखर उपाध्याय, सचिव/महाप्रबंधक अजय सिंह, उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के अन्य पदाधिकारी तथा उत्तर मध्य रेलवे स्पोर्ट्स सेल इंचार्ज दिनेश यादव, टीम के कोच धर्मेंद्र तथा चंद्र प्रकाश उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित हुआ आई.आर.ए.एस दिवस -२०२२

रे.स.ब्यूरो./सूत्रः आई आर ए एस दिवस २०२२- प्रयागराज चौप्टर के तहत उत्तर मध्य रेलवे (NCR) और केंद्रीय रेलवे विद्युतीकरण संगठन (CORE) के आई आर ए एस अधिकारियों द्वारा २८.११.२०२२ को NCR/ मुख्यालय/सूबेदारगंज/ प्रयागराज में मनाया गया। इस अवसर पर एक तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

गार्गी उमराव, उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/सामान्य ने सभी आईआरएएस अधिकारियों का स्वागत किया। योगेश कुमार श्रीवास्तव/प्रधान वित्त सलाहकार / उत्तर मध्य रेलवे ने मुख्य वक्ता के रूप में कोविड अवधि के दौरान लेखा विभाग द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका का उल्लेख किया और तीन प्रमुख शब्दों "औचित्य, प्रवीणता और उत्पादकता" में अपनी सेवा के मोटो के बारे में समझाया। उन्होंने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से रेलवे और आईआरएएस के इतिहास और सेवा की शुरुआत के बाद से आईआरएएस अधिकारियों द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों पर दिलचस्प उपाख्यानों को साझा किया। वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/वित्त एवं बजट हमीम अहमद ने आय और व्यय की वर्तमान वर्ष की प्रवृत्ति पर चर्चा की, खातों को सही ढंग से, पूरी तरह से और समय पर संकलित करने में आई आर ए एस अधिकारियों की भूमिका और अपेक्षाओं के बारे में विस्तार से बताया। वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी / डब्ल्यू एस टी आदित्य जोशी ने आई आर ए एस अधिकारियों के भविष्य और कुशल लेखा प्रणाली विकसित करने के महत्व पर बात की। उन्होंने वित्तीय अनुशासन, नैतिकता, संवैधानिक कर्तव्यों और वर्तमान परिदृश्य में आईआरएएस अधिकारियों की बदलती भूमिका के मुद्दे पर भी चर्चा की।

उन्होंने सूचना तकनीक की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया और सभी अधिकारियों को सलाह दी कि वे आईटी टूल और एप्लिकेशन विशेष रूप से डेटा एनालिटिक्स के साथ खुद को अपग्रेड करते रहें।

साहिल गर्ग, उप. वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/निर्माण/आगरा ने 'IR&WCMS के कार्यान्वयन' पर एक प्रस्तुति दी जिसमें वर्क कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट सिस्टम के लाभों और उपयोगकर्ताओं द्वारा ध्यान देने योग्य मुद्दों पर प्रकाश डाला गया।

स्वतंत्र कुमार अग्रवाल, मंडल वित्त प्रबंधक/ आगरा ने रेलवे बोर्ड के परिपत्रों/ दिशानिर्देशों के साथ- साथ रेलवे द्वारा पालन किए जाने वाले विभिन्न श्रम कानूनों पर प्रकाश डालते हुए ''जीईएम पर सेवा निविदाएं/अनुबंध'' पर प्रस्तुति दी। आशीष शर्मा, सहायक वित्त प्रबंधक/ प्रयागराज ने विविध आय बढ़ाने के लिए विचारों पर एक प्रस्तुति दी। इसके लिए विज्ञापनों के लिए स्टेशनों, आरडीएन, सीओडी और एनआईएनएफ आरआईएस में यात्रियों की अधिकाधिक नजर पड़ने वाले स्थानों का उपयोग करें। स्टेशन भवनों के मुद्रीकरण के स्कोप के संबंध में वर्ल्ड रेलवे सिस्टम्स के उदाहरण भी प्रस्तुत किए गए।

सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर.यू.सी.सी.सदस्य

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन का एसआईजी टीम ने किया निरीक्षण

रे.स.ब्यूरो./संवाः वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन का उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय से आए स्टेशन इंप्रूवमेंट ग्रुप (एसआईजी) की टीम द्वारा सघन निरीक्षण किया गया। दिनांकरू ०६.१२.२२ को रेलवे स्टेशन पहुंची एसआईजी टीम ने यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने और खामियां ठीक करने के लिए शुक्रवार को निरीक्षण किया। रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने के लिए सभी सदस्य सुबह करीब ११ बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। स्टेशन पहुंचते ही अधिकारियों ने प्लेटफार्म, टिकट चेकिंग लॉवी, कैटरिंग स्टॉल, वाटर बूथ, फुट ओवर ब्रिज, प्रतीक्षालय, बुकिंग हॉल, एस्केलेटर, सर्कुलेटिंग एरिया सहित अन्य सभी संस्थापनों का बारीकी से निरीक्षण किया गया। इस दौरान खामियां मिलने पर अधिकारियों ने उन्हें दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

मुख्यालय से आई टीम में मुख्य इंजीनियर (टीएमसी) राजेश कुमार श्रीवास्तव, उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यूटीएस) नवीन दीक्षित, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (सामान्य) आफताब अहमद, मंडल से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक देवानंद यादव, स्टेशन निदेशक नीरज भटनागर, आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त शरीफ मोहम्मद, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एन के गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी एवम् स्टाफ उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे-झाँसी मंडल ने किया G-20 शिखर सम्मलेन में सहभागिता

रे.स.ब्यूरो./सूत्र. G-20 शिखर सम्मलेन को लेकर रेल मंत्रलय द्वारा सक्रिय भूमिका निभायी जा रही है , इसी क्रम में झाँसी मंडल के सभी रेलवे स्टेशन परिसर में प्रमुख स्थानों पर शिखर सम्मलेन के लोगो दर्शाने वाले पोस्टर लगाए गए हैं। शीघ्र ही सभी सरकारी कागजों में G-20 लोगो का प्रयोग कर उक्त गौरवान्वित शिखर सम्मलेन का भरसक प्रचार-प्रसार किया जायेगा। इसी क्रम में रेलवे उद्घोषणा के माध्यम से रेलवे परिसर में समय पर जी-२० का प्रचार - प्रसार किया जायेगा । भारत को बीते एक दिसंबर से जी २० शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता आधिकारिक रूप से सौंप दी गई है । शिखर सम्मेलन को लेकर अन्य विभागों के साथ-साथ झाँसी मंडल रेल प्रशासन भी तैयारियों में जुटा हुआ है । सभी प्रमुख स्टेशन परिसर का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है । एक दिसंबर से एक वर्ष के लिए भारत शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा।

ऐसे में जी २० देशों से संबंधित विभिन्न राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक प्रतिनिधि मंडलों की विभिन्न गतिविधियां गोष्टी और बैठकों का आयोजन वर्ष भर तक होगा । रेलवे स्टेशन पर जी -२० के होडिंग एवं पोस्टर के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जायेगा तथा विभागीय कार्यों में प्रयोग किए जाने वाले डाक्यूमेंट्स में भी जी -२० के लोगो को उपयोग में लेते हुए, सम्मलेन का प्रचार-प्रसार किया जायेगा ।

प्रयागराज मंडल ने बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों से ६२ करोड़ ८४ लाख रुपये का जुर्माना वसूला

रे.स.ब्यूरो./सूत्र. प्रयागराज मण्डल द्वारा अपने स्टेशनों पर बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए समय- समय पर गहन टिकट चेकिंग अभियान चलाया जाता है। इसी क्रम में वर्तमान वित्तीय वर्ष अप्रैल-नवम्बर २०२२ के दौरान, बिना टिकट ध्अनियमित यात्रा करने वाले ०६ लाख १८ हजार यात्रियों से ६२ करोड़ ८४ लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया यह पिछले वर्ष की समान अवधि के ०४ लाख ७८ हजार यात्रियों से वसूल किये गए ३० करोड़ ६६ लाख रुपये जुर्माने की तुलना में क्रमशः 92.05% एवं 104.96 % अधिक है। कानपुर स्टेशन पर कार्यरत सी.आई.टी. राजेंद्र प्रसाद सरोज ने वर्तमान वित्तीय वर्ष अप्रैल-नवम्बर -२०२२ के मध्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, बिना बुक लगेज, गंदगी फैलाने वाले ११८७८ यात्रियों से कुल ६५ लाख ७७ हजार रुपए जुर्माने के रूप में वसूल किया।

भारतीय सेना के अधिकारियों को परिचालन विभाग द्वारा दिया गया प्रशिक्षण

रे.स.ब्यूरो./सूत्र. झांसीः भारतीय रेल के कार्यप्रणाली की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करना भारतीय सेना के ट्रेनिंग कार्यक्रम का एक आवश्यक भाग है। इसी क्रम में दिनांक ०८.१२.२०२२ को भारतीय सेना के १३ अधिकारी, १५ JCO तथा अन्य २५ अधिकारीयों को मंडल नियंत्रण कार्यालय की कार्यप्रणाली से सम्बंधित जानकारी उपलब्ध करायी गयी द्यइस दौरान उनको विभिन्न अनुभागो के साथ ड्यूटी चार्टर पर जानकारी दी गयी तथा उच्चतम तकनीकों के साथ रेल परिचालन सम्बंधित पूर्ण जानकारी क्रमबद्ध तरीके से साझा की गयी। इसके अतिरिक्त मंडल द्वारा प्रयोग में लायी जा रही प्रोद्योगिकी, जैसे FOIS, COIS तथा "कवच" के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस ट्रेनिंग सैशन का संचालन वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अखिल शुक्ल जी के मार्गदर्शन में मूवमेंट निरीक्षक एल. फ्रांसिस द्वारा किया गया।

हिंदी वह धागा है जो विभिन्न मात भाषाओं रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुंदर हार का सर्जन करेगा।
डॉ जाकिर हुसैन

General Manager reviews the ongoing rail infrastructural works in Rameswaram Pamban – Dhaushkodi section

Source-CPRO/SR: R.N.Singh, General Manager, Southern Railway conducted inspection in Rameswaram – Pamban – Dhanushkodi section on 9th December 2022 and reviewed the status of the ongoing rail infrastructural works. Rajendra Prasad Jingar, Chief Administrative Officer, Construction, Southern Railway, Padmanabhan Ananth, Divisional Railway Manager, Madurai, B. Kamalakara Reddy, Chief Project Manager, Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) accompanied the General Manager. R.N.Singh, General Manager, Southern Railway inspected Rameswaram station and conducted a detailed review of the proposed Station Redevelopment plans. Following a thorough examination of the sketches, the General Manager recommended improvements and urged officials to take concerted efforts to complete redevelopment works on schedule. Addressing the media at Rameswaram, the General Manager stated that a tender has been awarded for Rameswaram station redevelopment and that the work would commence in the next two months. He informed that the revamped Rameswaram station will house dedicated arrival and departure terminals to handle the large number of tourists visiting Rameswaram. Besides spacious Parking lots, the two-storey station building will be equipped with state-of-the-art facilities for passengers, he added. He cited that the new Pamban Bridge works will be completed by March 2023 and the tender would be floated for Rameswaram – Dhanushkodi new line works once the land acquisition is complete. On the electrification of lines upto Rameswaram from Ramanathapuram, the General Manager remarked that Railways will take up the project once the track diversion work gets completed between Valantaravai and Uchippuli as requested by Indian Navy.

पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक

रेलवे सुरक्षा बल द्वारा उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन

रे.स.ब्यूरो./संवाः हाजीपुरः रेलवे सुरक्षा बल, पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही उन्हें सहायता पहुंचाने का निरन्तर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 'आपरेशन अमानत' के तहत ०७ दिसम्बर, २०२२ को रेलवे सुरक्षा बल, राजेन्द्रनगर द्वारा गाड़ी सं. १२३१० तेजस राजधानी एक्सप्रेस के कोच सं. एच.-२ के बर्थ सं. ०३/०४ पर यात्री का छूटा हुआ ट्रॉली बैग बरामद किया। यात्री के उपस्थित होने पर आवश्यक कार्यवाही के उपरांत ट्रॉली बैग उसे सौंप दिया गया। इसी तरह ०७ दिसम्बर, २०२२ को गाड़ी संख्या १८१०२ जम्मूतवी-टाटा एक्सप्रेस के कोच सं. एस-०६ के बर्थ सं. ६६ पर एक महिला यात्री का हैंडबैग एवं लगेज छूट गया था जिसे टोरी पोस्ट के रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ट्रेन के टोरी स्टेशन आने पर ट्रेन को अटेंड किया गया और सामान सुरक्षित उतर कर पोस्ट पर लाया गया । महिला यात्री के पोस्ट पर आने के उपरांत आवश्यक कार्यवाही के बाद उनका सामान उन्हें सौंप दिया गया । आपरेशन 'नन्हें फरिश्ते' के तहत ०७ दिसम्बर, २०२२ को मुजफ्फरपुर पोस्ट के रेलवे सुरक्षा बल को प्लेटफॉर्म गश्त के दौरान रात्रि ०२.५० बजे प्लेटफॉर्म सं. ०१ पर एक भटकी हुई बच्ची मिली। पूछने पर उसने बताया कि वह अपने परिवार के साथ सोनपुर मेला घुमने आई थी और घर वापसी के दौरान मुजफ्फरपुर स्टेशन पर अपने परिवार से बिछुड गयी है । इसके उपरांत रेलवे सुरक्षा बल द्वारा रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन मुजफ्फरपुर को सौंप दिया गया।

> इनसान महान पैदा नहीं होता है, उसके विचार उसे महान बनाते हैं. विचार और काम की शुद्धता और सरलता ही महान लोगों को आम लोगों से अलग करती है. वे वही काम करते हैं, जो दूसरे करते हैं, लेकिन उनका मकसद समाज में बदलाव लाना होता है।
>
> -महात्मा गांधी

CHANDRIMA ROY TAKES OVER THE CHARGE OF PRINCIPAL CHIEF OPERATIONS MANAGER (PCOM) OF METRO RAILWAY

Source/CPRO: Kolkata: Smt. Chandrima Roy, 1991 Indian Railways Traffic Service (IRTS) officer has taken over the charge of Principal Chief Operations Manager (PCOM) of Metro Railway on 2nd December, 2022. She has replaced Satyaki Nath who has been transferred to South Eastern Railway. Smt. Roy, comes with strong technical background and has expertise in different spheres of Railway working. She started her career as an Assistant Operations Manager (AOM) at Dhanbad Division of Eastern Railway and has worked at various levels of different Zonal Railways. She has put on 28 years of services in Indian Railways. Prior to taking over charges in Metro Railway Smt Roy was Senior Deputy General Manager & Chief Vigilance Officer, South Central Railway. She had earlier rendered yeomen services as Chief Passenger Transportation Manager (CPTM), Eastern Railway and Senior Deputy General Manager (SDGM), South Eastern Railway, Additional Divisional Railway Manager (ADRM), Secunderabad Division, South Central Railway. She has also served as Railway Advisor & Counsellor Commercial in High Commission of India at Dhaka.

चेन पुलिंग करते १७१ लोग हुए गिरफ्तार

रे.स.ब्यूरो./संवाः हाजीपुर -पूर्व मध्य रेल द्वारा बिना किसी कारण चौन पुलिंग करके रेल गाड़ियों को रोकने वालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जाती रही है । इसी क्रम में पिछले सप्ताह २६.११.२०२२ से ०२.१२.२०२२ तक रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चेन पुलिंग के विरूद्ध रेल अधिनियम की धारा १४१ के तहत कार्रवाई करते हुए कुल १७१ लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें सबसे अधिक ८१ लोग दानापुर मंडल में पकड़े गये हैं जबकि समस्तीपुर मंडल में बिना कारण चौन पुलिंग करने वाले ३५ लोगों को गिरफ्तार किया गया है । इसी तरह रेल सुरक्षा बल द्वारा सोनपुर मंडल में २५, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में २० तथा धनबाद मंडल में १० लोगों अवैध चौन पुलिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पिछले सप्ताह पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों पर ३२ ट्रेनों में चेन पुलिंग की घटना हुई जिनसे कई ट्रेनों का समयपालन प्रभावित हुआ । विदित हो कि गाड़ियों को बिना ठहराव एसीपी (चौन पुलिंग) के द्वारा रोकने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लंबी दूरी वाली गाड़ियों में सफर करने वाले यात्री एसीपी के कारण और ज्यादा परेशान हो जाते हैं ।

यात्रियों को बेहतर यात्री सुविधा उपलब्ध कराना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता

साभारः बिलासपुर – सुरक्षा एवं रेल परिवहन में संरक्षा तथा यात्री सुविधा को सर्वोपरि मानते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सुरक्षित व आरामदायक यात्रा अनुभव के साथ यात्रियों को बेहतर सुविधा निरंतर उपलब्ध कराया जा रहा है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने तीनों रेल मंडलो बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर के अंतर्गत आने वाले सभी ३१८ स्टेशनों मे यात्री सुविधा प्रदान करने के लिए हमेशा से ही सजग रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में जहां एक ओर आधारभूत संरचना के विकास कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहें है तो वहीं स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाओं से संबन्धित यात्री सुविधाओं को उपलब्ध कराने के कार्य भी प्राथमिकता से किए जा रहे है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ३१८ स्टेशनों में एनएसजी-२ श्रेणी के ०३ स्टेशन बिलासपुर,रायपुर एवं दुर्ग है । एनएसजी-३ श्रेणी के ०५ स्टेशन रायगढ़, गोंदिया, चांपा, राजनांदगाव एवं भाटापारा है। एनएसजी-४ श्रेणी के १४ स्टेशन भिलाई पावर हाउस, भंडारा रोड, अनुपपुर, कोरबा, शहडोल, अंबिकापुर, इतवारी, पेंड्रारोड, उमरिया, चांदापोर्ट, रामटेक, कामठी, छिंदवाड़ा एवं डोंगरगढ़ है। बाकि एनएसजी-५ श्रेणी के ३० स्टेशनों सहित एनएसजी-६ श्रेणी के १५६ स्टेशन, एचजी-२ श्रेणी तथा एचजी-३ श्रेणी के ११० स्टेशन अवस्थित है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के समस्त ३१८रेलवे स्टेशनों पर श्रेणियों के आधार पर रेलवे बोर्ड के मानक के आधार पर यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है । बुजुर्ग एवं जरूरतमन्द रेल यात्रियो को आसानी से एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर पहुंचने में आसानी हो इसके लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के स्टेशनों में २० लिफ्ट, ०५ एस्केलेटर एवं १७४ फुट ओवर ब्रिज उपलब्ध है। इनमें ६ लिफ्ट, १ एस्केलेटर एवं २३ फुट ओवर ब्रिज का निर्माण गत वित्तीय वर्ष २०२१-२२ के दौरान पूरा किया गया है। साथ ही साथ अतिरिक्त ८ लिफ्ट,६ एस्केलेटर एवं १४ फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

उत्तर मध्य रेलवे ने स्क्रैप विक्रय से किये १३.४६ करोड़ रुपये अर्जित

रे.स.ब्यूरो./सूत्र. उत्तर मध्य रेलवे से स्क्रैप को हटाने और उससे कमाई करने के एक प्रमुख अभियान में, नवंबर २०२२ के महीने में 13.46 करोड़ रुपये की स्क्रैप सामग्री बेची गई है, जो कि पिछले साल के इसी महीने यानी नवंबर २०२१ की बिक्री से 6.65% अधिक है , जो 12.62 करोड़ रुपये था।दिनांक ३०.११.२०२२ तक संचयी स्क्रैप बिक्री 157.02 करोड़ रुपये है जो कि पिछले वर्ष के इसी महीने की संचयी बिक्री से 20.40% अधिक है जो 130.42 करोड़ रुपये था। यह अर्जन आनुपातिक लक्ष्य 123.33 करोड़ रुपये के मुकाबले 27.32% अधिक है ।

संचय लेखा प्रणाली पर कार्यशाला का आयोजन

रे.स.ब्यूरो./सूत्र. योगेश कुमार श्रीवास्तव प्रधान वित्त सलाहकार/उत्तर मध्य रेलवे की अध्यक्षता में दिनांक ०२.१२.२०२२ को आईपीएएस से जुड़े लेन-देन आधारित एक्रुअल अकाउंटिंग सिस्टम के ट्रायल रन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में उत्तर मध्य रेलवे और कोर की सभी लेखा इकाइयों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।यह कार्यशाला रेलवे बोर्ड की लेखा सुधार टीम और आईसीएआई-एआरएफ टीम के सहयोग से आयोजित की गई थी। शैलेंद्र कुमार सिंह, उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/ वित्त एवं बजट ने कार्यशाला के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। हमीम अहमद, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी/ वित्त एवं बजट, ने लेखांकन सुधार परियोजना के तीन घटकों जैसे एर्क्युअल खाता, प्रदर्शन लागत और आउटकम बजट का उल्लेख करते हुए मुख्य भाषण दिया। उन्होंने इस परियोजना के महत्व और उपलब्धियों के बारे में भी बात की। वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी / डब्ल्यू एस टी आदित्य जोशी ने वाणिज्यिक सिद्धांतों पर तैयार किए गए एर्क्युअल आधारित वित्तीय विवरणों की प्रासंगिकता के बारे में बात की। उन्होंने इस परियोजना के साथ हमारे वैधानिक लेखा परीक्षक को जोड़ने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस नई प्रणाली से परिचित होने के लिए प्रोत्साहित किया। डिप्टी सीपीएम/एआर अमित गोयल और उनकी टीम ने लेन-देन आधारित एक्रुअल लेखा प्रणाली के तकनीकी पहलुओं और आईपीएएस में इसके एकीकरण के बारे में बात की।

> राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की संपत्ति नहीं है, इस पर सारे देश का अधिकार है।
>
> सरदार वल्लभ भाई पटेल

भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट तैयार करने में विश्वविद्यालय निभा सकते हैं अहम भूमिकाः अनुराग ठाकुर

प.सू.का/नईदिल्ली: केन्द्रीय सूचना और प्रसारण तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट तैयार करने में विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मैं इस परियोजना का एक खाका तैयार करने के लिए ४० से ५० विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की एक बैठक बुलाने की योजना बना रहा हूं। वह आज चेन्नई में खेल हस्तियों, भारतीय ओलंपिक संघ और अन्य खेल संघों के पदाधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में ६४३ निजी विश्वविद्यालय कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि अगर प्रत्येक विश्वविद्यालय एक एथलीट को भी गोद ले ले और उसे उचित शिक्षा एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करे, तो भारत ६०० से १००० अंतरराष्ट्रीय एथलीट तैयार करने में समर्थ होगा। इस दिशा में बड़ी शुरुआत करने के लिए खेलो इंडिया परियोजना के तहत विभिन्न स्पोर्ट्स सेंटर अफ एक्सीलेंस शुरू किए गए हैं। खेल विज्ञान के क्षेत्र में भी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की योजना बनाई गई है। एक एथलीट विज्ञान के सहयोग के बिना कुछ भी हासिल नहीं कर सकता। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि एथलीटों की सफलता के पीछे विज्ञान की बहुत बड़ी भूमिका है।हरियाणा के सोनीपत में एक खेल विज्ञान केंद्र की योजना बनाई गई है। इसी तरह के खेल विज्ञान केंद्र कर्नाटक के बेंगलुरु और पंजाब के पटियाला में भी स्थापित किए जायेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खेल के क्षेत्र पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा, ”वर्तमान में प्रतिभा खोज एवं विकास (टैलेंट सर्च एंड डेवलपमेंट) के तहत चुने गए २१ खेल स्पर्धाओं (पैरा स्पोर्ट्स सहित) में २७४५ खेल प्रतिभाओं की पहचान की गई है और उन्हें प्रति वर्ष ६.२८ लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।“ उन्होंने कहा कि इस वित्तीय सहायता में प्रशिक्षण एवं यात्रा, खेल विज्ञान संबंधी सहायता, आहार शुल्क, चिकित्सा व्यय और जेब खर्च भत्ते के लिए दिया जाने वाला धन शामिल है। उन्होंने आगे बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय नेशनल वेलफेयर फंड फॉर स्पोर्ट्सपर्सन स्कीम में अब गरीबी की स्थिति में रह रहे खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों, चिकित्सा उपचार, खेल उपकरणों की खरीद, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भागीदारी आदि के लिए उपयुक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि देश भर में २९६ खेल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को विकसित करने के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रलय द्वारा २४३८.३४ करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। उन्होंने बताया कि खेलो इंडिया योजना के तहत‘ग्रामीण और स्वदेशी/जनजातीय खेलों को बढ़ावा देने’ के कार्यक्षेत्र के तहत मल्लखंब, कलारिपयट्टू, गतका, थांग-टा और हाल ही में सिलंबम को समर्थन प्रदान करने के लिए चिन्हित किया गया है।

हम सब के मार्गदर्शक श्रीकृष्ण गौतम जी ने सांसदों की बैठक में उपभोग परामर्श दात्री समिति का मान बढ़ाया सिंगरौली. ऊर्जाधानी में सिंगरौली व सोनभद्र में बड़े पैमाने पर सब्जी उत्पादन होता है, लेकिन किसानों को उचित मुनाफा नहीं मिल पा रहा है। बाजार मिले तो मुनाफा बढ़े। किसानों को बाजार मुहैया कराने के लिए किसान रेल चलाए जाने की जरूरत है। इस तर्क के साथ धनबाद में आयोजित संसदीय समिति की बैठक में सीधी से राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह ने किसान रेल शुरू किए जाने का प्रस्ताव रखा।

Passenger-friendly approach: Lifts and escalators provide ease of access for passengers at railway stations

Source:CPRO/SR: Southern Railway consistently improves passenger amenities at various railway stations. In view of the ever increasing passenger volumes, the zone emphasizes the proliferation of lifts and escalators at major stations for safe and convenient entry and exit for passengers, as well as for ease of cross-navigation within the railway facilities. Lifts and escalators installed at vantage points inside railway stations facilitate safe mobility for the elderly, the differently-abled and those in need of medical care.Provision of Lift facility Southern Railway has provided a total of 118 lifts at various railway stations (till November 2022). As for the division-wise numbers, 50 lifts at 24 stations in Chennai Division, 24 lifts at 11 stations in Palakkad Division, 21 lifts at 11 stations in Thiruvananthapuram Division, 11 lifts at 5 stations in Salem Division, 9 lifts at 3 stations in Madurai Division and 3 lifts at Tiruchchirappalli Junction in Tiruchchirappalli Division, have been provided. Presently, 75 lifts are functional at various stations in Tamil Nadu, 39 lifts in Kerala stations and 4 lifts in Southern Railway jurisdiction over Karnataka.During the current financial year upto November 2022, ten (10) lifts have been commissioned which include 3 Nos. of lifts at Chennai Egmore, 3 Nos.

at Basin Bridge, 3 Nos. at Tiruchchira-ppalli Jn and 1 No. at Kayankulam Jn. In addition, erection of lifts is in progress at 31 railway stations and are planned to be commissioned by the end of the financial year 2022-23. Most of the lift works are in the final stages of completion. Further, it is proposed to provide 122 lifts during 2023-24.The approximate cost of providing one unit of lift facility is Rs 50 lakhs.

Commissioning of Escalators Southern Railway has a total of 134 escalators functional at various railway stations (till November 2022). There are 62 escalators at 21 stations in Chennai Division, 30 escalators at 12 stations in Thiruvananthapuram Division, 13 escalators at 6 stations in Palakkad Division, 12 escalators at 4 stations in Salem Division, 9 escalators at 2 stations in Tiruchchira-ppalli Division and 8 escalators at 2 stations in Madurai Division. Presently, 93 escalators in Tamil Nadu stations, 39 escalators in Kerala stations are available for the use of passengers while 2 escalators are available at Karnataka region of Southern Railway.During the current financial year 2022-23, it is proposed to commission 3 Nos. Of escalators at various stations. Further, it is proposed to provide 7 escalators during 2023-24.The approximate cost of commissioning one unit of escalator is Rs. 1.1 Crores and these escalators are equipped to handle 100 passengers/minute safely. Southern Railway reiterates its commitment to the service of passengers by consistently providing improved amenities at railway stations.

''मनुष्य को ठंडा रहना चाहिए, क्रोध नहीं करना चाहिए। लोहा भले ही गर्म हो जाए, हथौड़े को तो ठंडा ही रहना चाहिए अन्यथा वह स्वयं अपना हत्था जला डालेगा। कोई भी राज्य प्रजा पर कितना ही गर्म क्यों न हो जाये, अंत में तो उसे ठंडा होना ही पड़ेगा।''

-सरदार वल्लभभाई पटेल

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१.उच्चतम अधिकारी- ५००० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- ३५०० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-२५०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-१०००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव/अनिल केन
रेल समाचार ब्यूरो कैंप कार्यालय-८४३६ आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-५५

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 ए चक,जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं. 51097.90 पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040

बरेका में नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा राहत एव बचाव कार्यो का प्रदर्शन

साभारः बनारस रेल इंजन कारखाना नागरकि सुरक्षा संगठन द्वारा दिनांक ०६ दिसम्बर, २०२२ को ६०वें नागरिक सुरक्षा दिवस के अवसर पर स्थानीय स्टेडियम में आपात काल के दौरान किये जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यो का प्रदर्शन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक रजनीश गुप्ता द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि का स्वागत उप नियंत्रक, नागरिक सुरक्षा एम. पी.सिंह एवं बी.एल.नाग ने किया। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने संबोधन में नागरिक सुरक्षा दल के सदस्यों की आपातकाल में उनके द्वारा सम्पादित किये जाने वाले राहत एव बचाव तथा प्राथमिक सहायता से संबंधित कार्यो के लिए दल के सदस्यों की सराहना की । उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बरेका नागरिक सुरक्षा संगठन सदैव किसी भी संकटपूर्ण स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण रूप से तैयार रहेगा । निष्काम सेवा में समर्पित इस संगठन की सेवाएं अतुलनीय हैं। इस अवसर पर संगठन के सदस्यों द्वारा युद्धकाल में बमबारी के दौरान नागरिकों एवं घायलों हेतु राहत एवं बचाव कार्यो का सजीव एवं प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। जिसमें उनके द्वारा अग्निशमन, घायलों को काफी ऊंचाई से स्ट्रेचर एवं रस्सी द्वारा बिना पर्याप्त संसाधनों के उन्हें नीचे उतारना, उनका प्राथमिक उपचार करना तथा दुर्घटना स्थल से घायलों एवं पीड़ितों को चिकित्सा हेतु दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने हेतु विभिन्न विधियों जैसे स्ट्रेचर ड्रिल, दोहत्था आसन, त्रिहत्था आसन, फोर एण्ड आफ्ट विधि, फायर मैन लिफ्ट तथा मानव बैसाखी आदि का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया । संपूर्ण कार्यक्रम में वरिष्ठ निरीक्षक, नागरिक सुरक्षा राजेश कुमार श्रीवास्तव, मुख्य वार्डेन मार्कडेय मिश्रा, वाराणसी नागरिक सुरक्षा उप नियंत्रक नीरज मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा । इस अवसर पर उप नियंत्रक, नागरिक सुरक्षा बी.एल.नाग ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री का वाचन किया। बहुमंजिली इमारतों से हताहतों को उतारने का कार्य प्रशिक्षक सुधीर कुमार दूबे एवं बी.एस.पाण्डेय ने, फायर फाइटिंग का कार्य उमेश श्रीवास्तव ने, फस्ट एड का कार्य सुनील कुमार एवं संतोष कुमार ने एवं परेड का नेतृत्व परेड कमांडर बी.एस.पाण्डेय ने किया। इस दौरान प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर पी.के.शाहा, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर हीरेन्द्र सिंह राणा, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी पी.के.सिंह, प्रधान वित्त सलाहकार अमर कुमार सिन्हा, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी देवेश कुमार, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर /एस.ई. नीरज जैन, मुख्य इंजीनियर/परियोजना प्रवीण कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी परिषद के सदस्य, ओ.बी.सी. एवं एस.सी. -एस.टी. एशोसिएशन के अधिकारी, कर्मचारी एवं दर्शकगण उपस्थित थे । सम्पूर्ण कार्यक्रम का सूरूचपूर्ण संचालन नागरिक सुरक्षा निरीक्षक सम्पूर्णानंद मिश्रा ने किया । अंत में धन्यवाद ज्ञापन सहायक नागरिक सुरक्षा अधिकारी राजीव रंजन ने किया।

मीना त्रिपाठी, अध्यक्षा, आरडब्ल्यूडब्ल्यूसीओ अखिल भारतीय रेलवे चित्रकला एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरित करते हुए

डिजिटल तकनीकों के समावेश के साथ रेल यात्रियों को नवीनतम यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयास

साभारः-रेल यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं संरक्षित रेल परिचालन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विगत वर्षो में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्री सुविधाओं के लिए अभूतपूर्व कार्य किया है। सभी मुख्य स्टेशनों पर अधिक से अधिक यात्री सुविधाएँ दी गई हैं तथा सभी स्टेशनों पर मापदंड के अनुसार यात्री सुविधाएँ प्रदान की गई हैं।

समय के साथ-साथ स्टेशनों में वाई-फाई, सीसीटीवी ट्रेन इंडीकेशन बोर्ड, ऐटए ग्लान्स डिस्प्ले बोर्ड, कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड, ऑटोमेटिक अनाउंसमेंट प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाओं के द्वारा यात्रियों को जानकारी दी जा रही है एवं इस प्रकार यात्रा को अत्यन्त सुविधापूर्वक एवं सहूलियतपूर्वक बनाने की कोशिश की गयी है, जिससे कि किसी भी यात्री को जानकारी संबंधित परेशानी न उठानी पड़े। यात्रीयों के लिए उपलब्ध कराई गई इन नवीनतम सुविधाओं की विस्तृत जानकारी एवं कार्य प्रणाली इस प्रकार हैंः -

१. Wi-Fi वाई-फाईः यह सुविधा यात्रियों को इंटरनेट की दुनिया से जोड़ती है जिससे कि सभी यात्री इसके द्वारा अपने आवश्यक कार्य जैसे - बैंकिंग, रिजर्वेशन, ई-मेल एवं व्हाट्सएप इत्यादि का प्रयोग सुगमता से कर सकते हैं। यह सुविधा प्रथम ३० मिनट तक पूर्णतयाः निःशुल्क है। निम्नलिखित प्रक्रिया द्वारा हम रेलवे स्टेशनों पर मुफ्त वाईफाई सुविधा का लाभ अपने मोबाईल परउठा सकते हैं :

१.अपने स्मार्टफोन पर वाई-फाई मोड चालू करें

२.वाई-फाई नेटवर्क 'Railwire' का चयन करें

३.मेनू में मोबाइल नंबर को दर्ज करें और एसएमएस के माध्यम से अपने मोबाइल में वन-टाइम पासवर्ड (OTP) प्राप्त करें

४.ओटीपी कोदर्ज करें और हाई स्पीड वाई-फाई एक्सेस करना शुरू करें

२. CCTV-सी सी टी वीरू रेलवे में होने वाले अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों की रोकथाम करनेएवं उन पर निगरानी रखने के लिए सीसीटीवी की स्थापना प्रमुख स्टेशनों पर की गई है। रेलवे का सुरक्षा विभाग सीसीटीवी द्वारा स्टेशन की सभी संबंधित गतिविधियों को नियंत्रित करता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के २६ स्टेशनों पर ६१६ सीसीटीवी कैमरा लगाए गए है ।

३. TIB-ट्रेन इंडीकेशन बोर्ड - ये मुख्यतः स्टेशनों के विभिन्न गेटों के आसपास ही लगाया जाता है, क्योंकि इसके द्वारा ट्रेन का आगमन, प्रस्थान समय व प्लेटफॉर्म नंबर की सूचना मिलती है।

स्टेशन आने वाले प्रत्येक यात्री को सर्वप्रथम ट्रेन इंडीकेशन बोर्ड ही दिखाई देता है। उदाहरण स्वरूप बिलासपुर रेलवे स्टेशन मे ट्रेन इंडीकेशन बोर्ड सभी प्लेटफार्म एवं वेटिंगहॉल मे डिस्प्ले हो रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ३५ स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध है ।

४. AGDB- ऐटए ग्लान्स डिस्प्ले बोर्डः इसे मुख्यतः प्लेटफार्म के विभिन्न गेटों एवम फूट ओवर ब्रिज पर लगाया जाता है।

इसे यात्री वेटिंगहॉल में भी लगाया जाता है। इसके द्वारा यात्रीयों को स्टेशन प्लेटफार्म में प्रवेश करते ही उनकी यात्रा वाली ट्रेन में इंजन की स्थिति एवं इंजन के सापेक्ष कोच की स्थिति के बारे में जानकारी मिल जाती है। इसको देखकर यात्री कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड की सहायता से अपने गंतव्य कोच तक सुगमतापूर्वक चले जाते है।

उदाहरण स्वरूप बिलासपुर रेलवे स्टेशन मे गेट नंबर ३ पर एवं दोनों ओर के फूट ओवर ब्रिज पर ऐटए ग्लान्स डिस्प्ले बोर्ड डिस्प्ले हो रहा है, साथ ही प्रथम श्रेणी वेटिंगहॉल मे भी यह सुविधा उपलब्ध है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ३३ स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध है ।

५. CGDB - कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्डः इसके द्वारा यात्रियों को उनकी आने वाली ट्रेन के विभिन्न कोचों की स्थिति के बारे में जानकारी दी जाती है, जिससे कि यात्रियों को उनके कोच की सही स्थिति मालूम रहे और वे अपने कोच तक पहुँचने के लिए परेशान ना हों।

इन बोर्ड्स पर यात्रियों के कोच की स्थिति ट्रेन के आने के कुछ समय पहले दर्शायी जाती है। यात्री अपनी गंतव्य प्लेटफार्म पर आकर ट्रेन के आने के पर्याप्त समय पहले ही इन बोर्ड्स की सहायता से अपने कोच की स्थिति तक पहुँच सकता है।

जो यात्री बुजुर्ग हैं अथवा जिनके पास अधिक सामान है उन यात्रियों के लिए यह सुविधा अत्यंत ही लाभदायक है। उदाहरण स्वरूप बिलासपुर रेलवे स्टेशन के सभी आठ प्लेटफार्म पर यह सुविधा उपलब्ध है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के २८ स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध है ।

अनुराग ठाकुर ने काशी तमिल संगमम् में मैत्रीपूर्ण टेबल टेनिस मैच का किया उद्घाटन

साभारः केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा कार्यक्रम व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि 'काशी तमिल संगमम' कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति और खेल तथा अन्य विधाओं के माध्यम से दो संस्कृतियां आपस में जुड़ रही हैं। उन्होंने आठ दिवसीय 'काशी तमिल संगमम' स्पोर्ट्स समिट' के तहत आयोजित मैत्रीपूर्ण टेबल टेनिस मैच का उद्घाटन किया। अनुराग ठाकुर ने वाराणसी में सिगरा स्टेडियम के उन्नयन का निरीक्षण किया एवं समीक्षा की। उन्होंने इस स्टेडियम के उन्नयन कार्य को बेहतर करने के लिए अनेक बदलावों का प्रस्ताव रखा। उन्होंने वाराणसी में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न कार्यालयों में उपलब्ध कुल स्थान का भी निरीक्षण किया। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की। अनुराग ठाकुर ने उपस्थित गणमान्यजनों को संबोधित करते हुए कहा कि 'काशी तमिल संगमम' कार्यक्रम में साहित्य एवं संस्कृति के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और ऐसे में खेल के माध्यम से उत्तर और दक्षिण को जोड़ने की पहल भी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर और दक्षिण के बीच का आपसी जुड़ाव हमारी प्राचीन परंपराओं को दर्शाता है जो हजारों साल से भी अधिक पुरानी हैं। ठाकुर ने काशी तमिल संगमम् की पहल के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया और कहा कि इस भव्य आयोजन के माध्यम से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का विजन साकार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जो उत्साह आज खिलाड़ियों में देखा जा रहा है, ठीक वही जुनून उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु की प्रतिभागी टीमों के खिलाड़ियों में भी देखा जा रहा है। ठाकुर ने यह भी कहा कि तमिलनाडु के लोगों को न केवल 'काशी विश्वनाथ' का दर्शन करने का अवसर मिल रहा है, बल्कि वे यहां की कला और संस्कृति से भी परिचित हो रहे हैं, जो सभी के लिए बड़े गर्व की बात है।

'काशी तमिल संगमम' में भाग लेने वाले तमिल प्रतिनिधियों के ८वें समूह ने हनुमान घाट पर पवित्र लगाई डुबकी

प.सू.का/नईदिल्लीः तमिल प्रतिनिधिमंडल के ८वें समूह ने महीने भर चलने वाले 'काशी तमिल संगमम' के दौरान गंगा नदी के तट पर 'हनुमान घाट' में पवित्र डुबकी लगाई। इस समूह में, अधिकतर तमिलनाडु के उद्यमी शामिल थे। वाराणसी में 'हनुमान घाट' को पहले 'रामेश्वरम घाट' के नाम से पहचाना जाता था।

वाराणसी में इस घाट पर सबसे अधिक देखे पर्यटक आते हैं। इस घाट के आसपास के क्षेत्रों में केरल मठ, कांची शंकर मठ, श्रृंगेरी मठ आदि जैसे दक्षिण भारतीय मठ अधिक संख्या में स्थित हैं। तमिल प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने 'हनुमान घाट' स्थित प्राचीन मंदिर में पूजा-अर्चना की और 'हनुमान घाट' के पास स्थित सुब्रह्मण्यम भरतियार के आवास पर भी गए।

भारत सरकार में कार्यरत तमिलनाडु के एथलीटों का पहला समूह चल रहे 'काशी तमिल संगमम' में हॉकी और फुटबॉल मैचों में भाग लेने के लिए वाराणसी पहुंचा है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने ८ से १५ दिसंबर, २०२२ तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) परिसर में ८ दिवसीय 'खेल शिखर सम्मेलन' का आयोजन किया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सामान्य निर्वाचन नगरीय निकाय को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु बैठक सम्पन्न

साभारः जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में सामान्य निर्वाचन नगरीय निकाय को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु प्रभारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी प्रभारी/सहायक प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि जिन अधिकारियों को जो दायित्व सौंपे गये है, उनको समय से पूर्ण करते हुए निर्वाचन कार्य को सकुशल ढंग से सम्पादित किए जाने हेतु कहा है।

उन्होंने उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं अपर नगर मजिस्ट्रेटों को अपने-अपने क्षेत्रों में बनाये गये मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने मतदान केन्द्रों पर बिजली, पानी, फर्नीचर सहित अन्य आवश्यक आवश्यकताओं की व्यवस्था समय से सुनिश्चित करने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने कार्मिकों की ड्यूटी, यातायात तथा रूट चार्ट, शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था, शिकायत एवं आदर्श आचार संहिता के अनुपालन सम्बंधी व्यवस्था, टेण्ट, बैरिकेटिंग एवं विद्युत सम्बंधी व्यवस्था, कम्यूनिकेशन प्लान सम्बंधी व्यवस्था, वीडियोग्राफी एवं सीसीटीवी कैमरा की व्यवस्था, साफ-सफाई सम्बंधी व्यवस्था एवं चिकित्सा सम्बंधी व्यवस्था हेतु सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय से सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

उन्होंने मतदान कार्मिकों का अच्छे ढंग से प्रशिक्षण कराये जाने एवं मास्टर ट्रेनरों का भी प्रशिक्षण कराये जाने के लिए कहा है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि, एडीएम वित्त एवं राजस्व जगदम्बा सिंह सहित सभी नोडल अधिकारी एवं पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुरैना स्टेशन पर चलाया गया सघन टिकट निरीक्षण अभियान

रे.स.ब्यूरो./सूत्र. झांसीः वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी के निर्देशन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (द्वितीय) देवानंद यादव के नेतृत्व में दिनांकः १२.१२.२२ को मुरैना स्टेशन पर किलाबंदी कर सघन टिकट जांच अभियान चलाया गया। दिन भर चलाये गये इस जांच अभियान में अब तक कुल २४ ट्रेन की गहनता से जांच करायी गयी तथा बिना टिकट, अनियमित यात्रा, बिना बुक लगेज, गन्दगी फैलाते हुए, धुम्रपान करने वाले कुल ६०० यात्रियों को चार्ज कर, उनसे रु. ३ लाख ५६ हजार रेल राजस्व की वसूली की गई, यह अभियान देर रात तक जारी रहेगा। चेकिंग अभियान के अंतर्गत यात्री प्रतीक्षालय महिला व् उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय, खानपान इकाइयाँ, स्टेशन से गुजरने वाली सभी गाड़ियों के महिला कोच, विकलांग कोच, आरएमएस कोच आदि कि सघनता से जांच कराई गयी। देवानंद यादव एवं उनकी टीम द्वारा गाडी संख्या १८२३७ छतीसगढ़ एक्सप्रेस में पैंट्री यान की सघन जांच की तथा खान्पान सामग्री की गुणवत्ता की परख की, उन्होंने चलती गाडी में टिकट जांच कराकर कर अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों से अर्थदंड की वसूली कराई।

जांच अभियान के दौरान अवैध वेंडर तथा ओवर चार्जिग के प्रकरण पकडे गए, जिनपर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए अर्थदंड आरोपित किया गया। इस अवसर पर यात्री सुविधाओं की बेहतरी हेतु यात्रियों से फीडबैक भी प्राप्त किये गए।

हिंदी वह धागा है जो विभिन्न मात भाषाओं रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुंदर हार का सर्जन करेगा।
डॉ जाकिर हुसैन

रेल मंत्री,भारत सरकार अश्विनी वैष्णव ने बनारस रेल इंजन कारखाना के प्रेक्षागृह में आयोजित काशी - तमिल संगमम के आठवें समूह के डेलीगेट्स के साथ अनेक प्रकार के अनुभवों को किया साझा

प.सू.का/नईदिल्लीः केन्द्रीय रेल, संचार तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बनारस रेल इंजन कारखाना के प्रेक्षागृह में काशी- तमिल संगमम के तहत तमिलनाडु से आए प्रतिभागियों के साथ बातचीत कर अनुभव को साझा किया। इस अवसर पर रेल मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि निश्चित रूप से काशी -तमिल संगम के माध्यम से काशी और तमिल के बीच अटूट रिश्ता बना है। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री जी कहते हैं कि तमिल भाषा दुनिया की सबसे पुरानी भाषा है। तमिलनाडू के बहुत से लोग श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की सेवा में लगे हुए हैं और बहुत ही अच्छा कार्य कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि काशी-तमिल संगमम को यादगार बनाने के लिए काशी-तमिल संगमम एक्सप्रेस ट्रेन सेवा भविष्य में बहुत जल्द प्रारंभ की जाएगी । माननीय रेल मंत्री ने तमिल प्रतिभागियों के अनुभवों और उनकी भावनाओं को बताते हुए कहा कि जो यहां प्यार एवं एक्सपीरियंस उन्हें यहां मिला है इसके लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी जी नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त करता हूं उन्होंने कहा कि तमिलनाडू में कई रेलवे प्रोजेक्ट्स कर रही है, स्टेशनों को एयरपोर्ट की तरह अत्याधुनिक एवं सुंदर बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पुरे काशी-तमिल संगमम यात्रा के दौरान एवं यात्रा के बाद भी डेलिगेट्स का परिवार की तरह ध्यान रखने के लिए आईआरसीटीसी, आई आई टी, बी एच यू,जिला प्रशासन और रेलवे प्रशासन बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर काशी-तमिल संगमम में आये डेलिगेट्स ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उन्हें काशी में आश्चर्यजनक एवं अविस्मरणीय अनुभव हुआ है। इससे उत्तर और दक्षिण भारत का अभूतपूर्व संगम हुआ है।

इस दौरान डेलिगेट्स ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री,रेल मंत्री, आईआरसी टीसी,जिला प्रशासन एवं रेलवे प्रशासन सहित काशी वासियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सभी ने हमारा बहुत अच्छे तरीके से ध्यान रखा और हमें किसी तरह की कोई कठिनाई नहीं हुई। एक अन्य डेलीगेट्स ने सुझाव दिया कि जो अनुभव हमें यहां से मिला है करोड़ो खर्च करने के बाद भी नही मिल सकता था।

कई डेलीगेट्स ने सुझाव दिया कि इस तरह के संगमम सरीखे कार्यक्रम हर वर्ष होनी चाहिए, इससे भारत की विविधता और सांस्कृतिक विरासत और समृद्ध होगी।

काशी-तमिल संगमम कार्यक्रम में जिला अधिकारी, वाराणसी एस.राजलिंगम द्वारा डेलिगेट्स द्वारा तमिल भाषा में बताये गये अनुभवों को अंग्रेजी भाषा में अनुवाद कर सभी को डेलिगेट्स की भावनाओं से माननीय मंत्री जी को अवगत कराया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक बरेका अंजली गोयल, महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे सी. वी. रमण, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे आशुतोष गंगल, प्रबंधक आईआरसीटीसी रजनी हसीजा, मंडल रेल प्रबंधक,वाराणसी रामाश्रय पाण्डेय, मंडल रेल प्रबंधक, लखनऊ एक के सापरा क्षेत्रीय प्रबंधक आईआरसीटीसी अजित सिन्हा एवं विधायक,कैंट सौरभ श्रीवास्तव सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। इससे पहले बनारस रेल इंजन कारखाना अधिकारी अतिथिगृह पहुंचने पर बरेका महाप्रबंधक सुश्री अंजली गोयल ने शिष्टाचार भेंट कर माननीय मंत्री जी का हार्दिक अभिनंदन किया।

प्रधानमंत्री ने काशी और तमिलनाडु के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध को किया पुनर्जीवितः अनुराग सिंह ठाकुर

प.सू.का/नईदिल्लीः केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में काशी तमिल संगमम् में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी और तमिलनाडु के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध को पुनर्जीवित किया है। उन्होंने काशी तमिल संगमम् पहल के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों से २५०० लोग काशी आ रहे हैं। उन्होंने इस आयोजन में खेलों को शामिल कर युवाओं में उत्साह पैदा किया है। यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लिए खेलों के महत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मैच हारना या जीतना मायने नहीं रखता, इस दोस्ताना मैच से एक दूसरे को जानने में मदद मिलेगी।

यहां तक कि यदि कोई व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की भाषा नहीं जानता है, तो भी वह संवाद कर सकता है और वे एक-दूसरे को जान सकते हैं। ठाकुर ने अमृतकाल के दौरान प्रधानमंत्री के विजन पर प्रकाश डाला कि हमें केवल अधिकारों की इच्छा नहीं करनी चाहिए, बल्कि जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में वाराणसी में जिस स्तर का विकास कार्य हुए हैं, वैसा पहले कभी नहीं हुआ था। यह विकास न केवल वाराणसी में, बल्कि पूरे भारत में है। काशी तमिल संगमम् के बारे में पहले किसी ने नहीं सोचा था। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में तेनकासी, शिवकाशी जैसे कई शहर काशी से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह तो अभी शुरुआत है।

काशी आए २५०० लोग अब २५००० पर्यटकों को काशी लाएंगे। उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने इस संगम को संभव बनाने के लिए मिलकर काम किया। उन्होंने तमिलनाडु की कला, संस्कृति, साहित्य को लोकप्रिय बनाने का आग्रह किया।

अनुराग ठाकुर ने उत्तर प्रदेश के लोगों से काशी से जुड़े तमिलनाडु के शिवकाशी जैसे स्थानों पर जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि काशी का तमिलनाडु के कई शहरों से पुराना संबंध रहा है। उन्होंने कहा कि इस संबंध को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फिर से जीवंत किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सोमनाथ, केदारनाथ और अयोध्या के मंदिरों को भव्य और दिव्य स्वरूप प्रदान किया है। ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री इसी तरह काशी को विश्व दिव्य भव्य काशी बनाएंगे। केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने कहा कि भरतियार के भारतीय दृष्टिकोण के अनुरूप, प्रधानमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में काशी तमिल संगमम् का आयोजन किया गया है।

उन्होंने कहा कि काशी और तमिलनाडु का सदियों पुराना संबंध है। उन्होंने कहा कि कांची और काशी में सिल्क की साड़ियों जैसी समानताएं हैं। डॉ. एल. मुरुगन ने काशी और तमिलनाडु के बीच एक नई रेल सेवा की घोषणा के लिए रेल मंत्रि की सराहना की। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में भरतियार के सम्मान में पीठ स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की।

मणिपुर के राज्यपाल डॉ. एल. गणेशन ने बल देकर कहा कि काशी तमिल संगमम् का उद्देश्य भारत को एक देश के रूप में रेखांकित करना है। उन्होंने कहा कि भारत को कभी अलग नहीं किया जा सकता है। डॉ. एल. गणेशन ने कहा कि काशी की तीर्थयात्रा तमिलनाडु में सदियों पुरानी परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रा देश का आधार है। उन्होंने कहा कि भरतियार ने भारत को एक मां के रूप में देखा था। डॉ. एल. गणेशन ने भारत के बारे में भरतियार के विचारों को विस्तारपूर्वक रेखांकित किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे गृह मंत्री अमित शाह, BJP ने की बैठक

प.सू.का/नईदिल्लीः वाराणसी। काशी और तमिलनाडु की संस्कृति, अध्यात्म और शिक्षा के आदान-प्रदान के लिए आयोजित एक माह का #Kashi_Tamil_Sangamam अपने अंतिम चरण में पहुँच गया है। १६ दिसंबर को इस संगमम का समापन समारोह आयोजित है जिसमे देश के गृह मंत्री अमित शाह बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। ऐसे में इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा पदाधिकारियों ने गुलाबबाग कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक की।

इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा काशी प्रांत के अध्यक्ष महेशचंद्र श्रीवास्तव ने की। इसके पहले रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुए भाजपा प्रबुद्धजन सम्मेलन की सफलता पर प्रांत अध्यतक्ष ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी। भाजपा काशी प्रांत अध्यक्ष ने बताया की काशी की गरिमा के अनुरूप जिस प्रकार काशी तमिल संगमम् के उद्घाटन सत्र में काशी के सांसद व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यक्रम को सफल बनाया उसी प्रकार १६ दिसंबर के समापन सत्र को भी यादगार बनाना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की तैयारी को लेकर १३ और १४ को जिले के २१ तथा महानगर के १३ मंडलों में बैठक आयोजित की जाएंगी, जिसमें प्रत्येक बूथों से कम से कम ५ कार्यकर्ताओं को उपरोक्त कार्यक्रम में आने का आह्वान किया गया। मंडलों की बैठक मंडल प्रभारी, पालक तथा महानगर के प्रमुख पदाधिकारी लेंगे।

बरेका को प्राप्त हुआ उत्तर प्रदेश राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार

रे.स.ब्यूरो./सूत्रः बनारस रेल इंजन कारखाना ने रेलवे वर्कशॉप सेक्टर के अंतर्गत प्रदेश में वर्ष २०२०-२१ के सापेक्ष वर्ष २०२१-२२ में ऊर्जा बचत करके प्रशंसनीय एवं उल्लेखनीय कार्य किया है जिसके फलस्वरूप रेलवे वर्कशॉप सेक्टर में ऊर्जा संरक्षण हेतु वर्ष २०२२ में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है जिसके लिए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा सम्मानित किया गया है । ऊर्जा संरक्षण की दिशा में बनारस रेल इंजन कारखाना ने सराहनीय कार्य करते हुये बरेका में प्रशासनिक भवन और कर्मशाला क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सोलर ऊर्जा का उपयोग कर ऊर्जा बचत की जाती है ।

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय ने काशी तमिल संगम में दुर्लभ तमिल पुस्तकों और ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों को किया प्रदर्शित

साभारः भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष और काशी तमिल संगम के मुख्य संयोजक पद्म चामु कृष्णशास्त्री ने वाराणसी स्थित बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय में दुर्लभ तमिल पुस्तकों और पांडुलिपियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे काशी तमिल संगम के हिस्से के रूप में सयाजी राव गायकवाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित की गई है। केन्द्रीय पुस्तकालय ने १८६० के बाद से विभिन्न तमिल ग्रंथों और १७वीं एवं १८वीं शताब्दी में तमिल ग्रंथ लिपि में लिखी गई १२ पांडुलिपियों को प्रदर्शित किया है।

इनमें शुरुआती तमिल नाटकों की पहली प्रतियां और एनी बेसेंट को उपहार में दी गई किताबें, तमिल संगीत तकनीकों की व्याख्या करने वाली किताब, कुमारगुरुबारा की किताबें, शैव दर्शन से संबंधित किताबें, भारती किताबें, रामायण, महाभारत के अनुवाद आदि शामिल हैं।

इन बहुमूल्य संग्रहों की प्रदर्शनी ५ दिसम्बर से लेकर १६ दिसम्बर तक १२ दिनों के लिए प्रतिदिन प्रातः ११:०० बजे से सायं ०७:०० बजे तक केन्द्रीय पुस्तकालय के केन्द्रीय कक्ष से सटे पाण्डुलिपि एवं दुर्लभ दस्तावेज अनुभाग में चलेगी। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए श्री कृष्णशास्त्री ने कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि इन प्राचीन एवं दुर्लभ दस्तावेजों को विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में समुचित तरीके से संरक्षित किया गया है। इन दस्तावेजों को जहां उचित रूप से वर्गीकृत किया जाना चाहिए, वहीं इन्हें शोधकर्ताओं के उपयोग के लिए सुलभ होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह आज की जरूरत है। उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. सुचिता सिंह ने शिक्षकों, छात्रों और काशी तमिल संगम में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इस प्रदर्शनी देखने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ क्लासिकल तमिल की प्रोफेसर इरा चंद्रशेखरन और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह उपस्थित थे।

नॉन–इण्टरलॉकिंग कार्य के कारण रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गढ़वा रोड, तोलरा एवं राजहरा स्टेशनों पर नॉन-इण्टरलॉकिंग कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन किया जा रहा है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

क्र. स.	गाड़ी सं./ नाम	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी मार्ग परि-वर्तन की तिथि	निश्चित मार्ग	परिवर्तित मार्ग
1	12453 (राँची-नई दिल्ली राजधानी)	28.12.22 एवं 25.12.2022	राँची-लोहरदगा-टोरी-गढ़वा रोड-चोपन-चुनार	राँची-बोकारो स्टील सिटी-राजाबेड़ा-गोमोह-गया- पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.-चुनार
2	12454 (नई दिल्ली-राँची राजधानी एक्स.)	17.12.22 एवं 24.12.2022	चुनार-चोपन-गढ़वा रोड-टोरी-लोहरदगा-राँची	चुनार-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.-गया-गोमोह-राजाबेड़ा-बोकारो स्टील सिटी-राँची
3	20407 (राँची-नई दिल्ली राजधानी)	21.12.2022	राँची-लोहरदगा-टोरी-गढ़वा रोड-पं. दीन द.उपा.जं.-चुनार	राँची-बोकारो स्टील सिटी-राजाबेड़ा-गोमोह-गया-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.-चुनार
4	20408 (नई दिल्ली-राँची राजधानी)	22.12.2022	चुनार-पं. दीन दयाल उपा. जं.-गढ़वा रोड-टोरी-लोहरदगा-राँची	चुनार-पं. दीन द. उपा. जं.-गया-गोमोह-राजाबेड़ा-बोकारो स्टील सिटी-राँची
5	18101/18309 (टाटानगर-जम्मू तवी एक्स./सम्बलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस	15.12.22 से 26.12.2022	मूरी-बरकाकाना-गढ़वा रोड-चोपन-चुनार	मूरी-बोकारो स्टील सिटी-राजाबेड़ा-गोमोह-गया- पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.- चुनार
6	18102/18310 (जम्मूतवी-टाटानगर एक्स./जम्मूतवी-सम्बलपुर एक्सप्रेस)	14.12.22 से 28.12.2022	चुनार-चोपन-गढ़वा रोड-बरकाकाना-मूरी	चुनार-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. गया-गोमोह-राजाबेड़ा- बोकारो स्टील सिटी-मूरी
7	13025 (हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस)	19.12.22 एवं 26.12.2022	धनबाद-चन्द्रपुरा-बरकाकाना-गढ़वा रोड-चोपन-सिंगरौली-कटनी मुड़वारा	धनबाद-गया-पं. दीन दयाल उपा. जं.-प्रयागराज छिवकी मानिकपुर-सतना-कटनी-कटनी मुड़वारा
8	13026 (भोपाल-हावड़ा एक्सप्रेस)	14.12.22 एवं 21.12.2022	कटनी मुड़वारा-सिंगरौली-चोपन-गढ़वा रोड-बरकाकाना-चन्द्रपुरा-धनबाद	कटनी मुड़वारा-कटनी-सतना-मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.-गया-धनबाद
9	18009 (सांत्रागाछी-अजमेर एक्सप्रेस)	16.12.22 एवं 23.12.2022	मूरी-बरकाकाना-गढ़वा रोड-चोपन-सिंगरौली-कटनी मुड़वारा	कटनी मुड़वारा-कटनी-सतना-प्रयागराज छिवकी-पं. दीन उपाध्याय जं.-गया-गोमोह-बोकारो स्टील सिटी-मूरी
10	18010 (अजमेर-सांत्रागाछी एक्सप्रेस)	18.12.22 एवं 25.12.2022	कटनी मुड़वारा-सिंगरौली-चोपन-गढ़वा रोड-बरकाकाना-मूरी	मूरी-बोकारो स्टील सिटी-गोमोह-गया-पं. दीन द.उपा.ज.-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर-सतना-कटनी-कटनी मुड़वारा
11	19414 (कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस)	17.12.22 एवं 24.12.2022	धनबाद-चन्द्रपुरा-बरकाकाना-गढ़वा रोड-चोपन-सिंगरौली-कटनी मुड़वारा	धनबाद-गया-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर-सतना- कटनी-कटनी मुड़वारा
12	19413 (अहमदाबाद-कोलकाता एक्सप्रेस)	14.12.22 एवं 21.12.2022	कटनी मुड़वारा-सिंगरौली-चोपन-गढ़वा रोड-बरकाकाना-चन्द्रपुरा-धनबाद	कटनी मुड़वारा-कटनी-सतना-मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.-गया-धनबाद
13	19607 (कोलकाता-मदार जं. एक्सप्रेस	15.12.22 एवं 22.12.2022	धनबाद-चन्द्रपुरा-बरकाकाना-गढवा रोड-चोपन-सिंगरौली	धनबाद-गया-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.-प्रयागराज छिवकी-मानिकपुर-सतना-कटनी-कटनी मुड़वारा
14	19608 (मदार जं.-कोलकाता एक्सप्रेस	19.12.22 एवं 26.12.2022	कटनी मुड़वारा-सिंगरौली-चोपन-गढ़वा रोड-बरकाकाना चन्द्रपुरा-धनबाद	कटनी मुड़वारा-कटनी-सतना-मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी- पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.-गया-धनबाद

नोटः ट्रेन समय-सारणी से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139 या **Rail Madad Mobile App** या वेबसाइट **railmadad.indianrailways.gov.in** का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 1679/22 FA

North central railways @CPRONCR @northcentralrailway
www.ncr.indianrailways.gov.in

INDIAN RAILWAY FINANCE CORPORATION

(A Government of India Enterprise)

Future on Track

Funded ₹5.05 trillion^ to Ministry of Railways for progress of the Nation

- IRFC - Dedicated market borrowing arm for Indian Railways
- Registered with RBI as a systemically Important NBFC-ND-IFC
- Funded acquisition of 13,475 locomotives, 74,778 passenger coaches and 2,59,976 fright wagons
- Total revenue from operations increased by 23.36% during 6-month period ending 30th September, 2022 vis-à-vis corresponding period
- Zero non-performing assets and Capital Adequacy Ratio of 491.72%
- Rolling Stock Assets worth 2.80 trillion

^Cumulative funding of ₹5.05 trillion as of 30th September, 2022

Registered Office : Room No. 1316-1349, 3rd Floor, The Ashok, 50-B, Diplomatic Enclave, Chanakyapuri, New Delhi - 110021 Tel. No. 011-24100385 I Email info@irfc.co.in I www.irfc.co.in